उर्दू शिक्षक

यानी हिन्दी से उर्दू सिखाने वाली किताब

जिसकी सहायता से हिन्दी जानने वाले बिना मास्टर के कुछ ही दिनों में बहुत आसानी से उर्दू लिख पढ़ सकते हैं।

अज़ीमुल हक़ जुनैदी

उर्दू शिक्षक

यानी

हिन्दी से उर्दू सिखाने वाली किताब
जिस की सहायता से हिन्दी
जानने वाले बिना मास्टर के कुछ
दिनों में बहुत आसानी
से उर्दू लिख पढ़ सकते हैं ।

अज़ीमुलहक़ जुनैदी
भूतपूर्व प्रिन्सिपल

एजूकेशनल बुक हाऊस
यूनीवर्सिटी मार्केट, अलीगढ़ 202 002

rekhta

rekhta

EDUCATIONAL BOOK HOUSE
Muslim University Market Aligarh.

مطبع ایم۔ کے آفسیٹ پرنٹرز، دہلی کتابت : ریاض احمد، الہ آباد

एजूकेशनल बुक हाऊस
यूनीवर्सिटी मार्केट, अलीगढ़ 202 002

पाठ 1

से	टे	ते	पे	वे	अलिफ
ث	ٹ	ت	پ	ب	ا
स	ट	त	प	व	अ
डाल	दाल	ख़े	हे	चे	जीम
ڈ	د	خ	ح	چ	ج
ड	द	ख़	ह	च	ज
सीन	ज़े	ज़े	ड़े	रे	ज़ाल
س	ژ	ز	ڑ	ر	ذ
स	ज़	ज़	ड़	र	ज़
अैन	ज़ो	तो	ज़्वाद	स्वाद	शीन
ع	ظ	ط	ض	ص	ش
अ	ज़	त	ज़	स	श
लाम	गाफ़	काफ़	क़ाफ़	फ़े	ग़ैन
ل	گ	ک	ق	ف	غ
ल	ग	क	क़	फ़	ग़
बड़ी ये	ये	हे	वाव	नून	मीम
ے	ی	ہ	و	ن	م
य	य	ह	व	न	म

पाठ 2

अक्षरों की पहिचान करना

پہچان کے لئے حروف

अब हम आप को पहिचान करने के लिये उर्दू अक्षर अस्त व्यस्त लिखते हैं उन्हें पहिचानिये और खूब याद कर लीजिये ।

ب ا ج ذ ص ف ن

ک ہ و ق ض ر چ

ڑ خ ت پ ح ز ط

س د ژ ٹ ی گ ظ

م غ ش ڈ ث ل ع

नोट : उर्दू के ऐसे अक्षर जिनके वास्ते हिन्दी में एक ही अक्षर का प्रयोग होता हैं ।

(ह) ح۔ہ۔ھ (स) س۔ص۔ث

(क क़) ک۔ق (ज़) ذ۔ز۔ض۔ظ

(ख ख़) کھ۔خ (त) ت۔ط

पाठ 3

ऐराब (मात्राएँ)

اِعراب

उर्दू में मात्रा नहीं होती उसके स्थान पर ज़ेर ज़बर और पेश लगाते हैं । उसको हिन्दी की मात्रा और उर्दू में ऐराब कहते हैं ।

ज़बर : (ـَ) इस प्रकार का निशान अक्षर के ऊपर "आ" की आवाज़ बतलाने के लिये प्रयोग होता है ।

जैसे :- پَ (पा)

ज़ेर :- (ـِ) इस प्रकार का निशान अक्षर के नीचे " इ " की मात्रा बतलाने के लिये प्रयोग होता हैं ।

जैसे :- پِ (पि)

पेश :- (ـُ) इस प्रकार का निशान अक्षर के ऊपर " उ " की मात्रा बतलाने के लिये प्रयोग होता है।

जैसे :- پُ (पु)

ज़बर

زبر (ـَـ)

यह निशान अक्षर के ऊपर "आ" की आवाज़ बतलाने के लिये प्रयोग होता है। जैसे:— پَ (पा)

ڈَر	دَس	اَب	دَف	رَس	رَب
डर	दस	अब	दफ़	रस	रब
رَن	دَر	دَب	دَم	دَل	رَٹ
रन	दर	दब	दम	दल	रट
ذَات	دَادی	دَادَا	رَان	رَات	رَگ
ज़ात	दादी	दादा	रान	रात	रग
وَرَق	وَزن	دَام	زرد	ذرا	راج
वरक़	वज़न	दाम	ज़र्द	ज़रा	राज
بَس	بَم	دَوا	ڈال	ڈاک	داغ
बस	बम	दवा	डाल	डाक	दाग़
دَال	دَاب	مَت	سڑ	لب	پر
दाल	दाब	मत	सड़	लब	पर
شان	بَال	بَات	رَاگ	رَام	دان
शान	बाल	बात	राग	राम	दान

rekhta

ज़ेर

زیر (ـِ)

यह निशान अक्षर के नीचे "इ" "ई" की मात्रा बतलाने के लिये प्रयोग होता है जैसे :- پِ (पि)

دِک	دِل	دِن	دِک
दिक	दिल	दिन	दिक
رِس	رِم	ڈِرِل	دِی
रिस	रिग	डिरिल	दी
نِیل	مِٹ	مِل	تِیر
नील	मिट	मिल	तीर
جِس	چِت	جِن	پِیر
जिस	चित	जिन	पीर
مِیر	کھِیر	مِیل	جھِیل
मीर	खीर	मील	झील
بھِیل	جِن	اِن	اِس
भील	जिन	इन	इस

rekhta

पेश

پیش (ـُـ)

यह निशान अक्षर के ऊपर " उ " "ओ " की मात्रा बतलाने के लिये प्रयोग होता है। जैसे :- پُ (पु)

اُگ	اُس	ڈُوب	دُم
उग	उस	डूब	दुम
دُو	چُوک	خُوب	اُڑ
दो	चूक	ख़ूब	उड़
اُوٹ	زُور	ڈُول	اُن
ओट	ज़ोर	डोल	उन
بُت	ڈُور	وُہ	رُوگ
बुत	डोर	वह	रोग
سُن	لُٹ	چُن	تُم
सुन	लुट	चुन	तुम
جھُوٹ	بھُول	جُون	چُپ
झूट	भूल	जून	चुप

पाठ 4

उर्दू अक्षरों के जोड़

اردو حروف کے جوڑ

उर्दू के अक्षर जब मिलते हैं तो पूरे नहीं लिखे जाते बल्कि मिलते समय उनका रुप छोटा हो जाता है और उन अक्षरों के सिरे और चिन्ह मिलाये जाते हैं।

जब अन्त मे आते हैं		जब बीच में आते हैं	जब शुरु में आते हैं	पूरा रुप
अलिफ	ا ا		ا	ا
बे	ب	ـبـ	بـ ـبـ بـ	ب
पे	پ	ـپـ	پـ ـپـ پـ	پ
ते	ت	ـتـ	تـ ـتـ تـ	ت
टे	ٹ	ـٹـ	ٹـ ـٹـ ٹـ	ٹ
से	ث	ـثـ	ثـ ـثـ ثـ	ث

जब अन्त में आते हैं		जब बीच में आते हैं	जब शुरु में आते हैं	पूरा रुप
जीम	ج	ـجـ	جـ	ج
चे	چ	ـچـ	چـ	چ
हे	ح	ـحـ	حـ	ح
ख़े	خ	ـخـ	خـ	خ
दाल	د ـد		د	د
डाल	ڈ ـڈ		ڈ	ڈ
ज़ाल	ذ ـذ		ذ	ذ
रे	ر ـر		ر	ر
ड़े	ڑ ـڑ		ڑ	ڑ
ज़े	ز ـز		ز	ز
जे	ژ ـژ		ژ	ژ

rekhta

जब अन्त में आते हैं		जब बीच में आते हैं	जब शुरु में आते है	पूरा रुप
सीन	س س	ـسـ	سـ	س
शीन	ش ش	ـشـ	شـ	ش
स्वाद	ص	ـصـ	صـ	ص
ज़्वाद	ض	ـضـ	ضـ	ض
तो	ط	ط	ط	ط
ज़ो	ظ	ظ	ظ	ظ
ऐन	ع ع	ـعـ	عـ ع	ع
ग़ैन	غ غ	ـغـ	غـ غ	غ
फ़े	ف ف	ـفـ	فـ	ف
क़ाफ़	ق	ـقـ	قـ	ق

जब अन्त में आते हैं		जब बीच में आते हैं	जब शुरु में आते है	पूरा रुप
काफ़	ک	ـک ـکـ	کـ کـ	ک
गाफ़	گ	ـگ ـگـ	گـ گـ	گ
लाम	ل	ـل	لـ	ل
मीम	م	ـم	مـ ـمـ	م
नून	ن	ـن	نـ ـنـ	ن
वाव	و	و	و	و
हे	ه ـه	ـه ـهـ	هـ هـ	ه
ये	ی ـے	ـیـ	یـ یـ	ی
हम्ज़ा				ء ؤ ئ

rekhta

पाठ 5

उर्दू अक्षरों के जोड़

اردو حروف کے جوڑ

उर्दू के अक्षर जब मिलते हैं तो पूरे नहीं लिखे जाते वल्कि मिलते समय उनका रुप छोटा हो जाता है और उन अक्षरों के सिरे और चिन्ह मिलाये जाते है ।

ب پ ت ٹ ث इनका रुप एक सा होता है दस नुक़्तों (विन्दियों) का अन्तर होता है। जब शुरु में आते हैं इनका रुप بپتٹث/بپتٹث होता है वीच में इनका रुप بپتٹث हो जाता है । अन्त में असल रुप रहता है ।

वा	=	بَا	=	بَ + ا =
वुत	=	بُت	=	بُ + ت =
पट	=	پَٹ	=	پَ + ٹ =
तव	=	تَب	=	تَ + ب =

टब	=	ٹب	=	ٹ + ب	=	ٹَ + ب
बच	=	بچ	=	بَ + چ	=	بَ + چ
बम	=	بم	=	بَ + م	=	بَ + م
तज	=	تج	=	تَ + ج	=	تَ + ج
टम	=	ٹم	=	ٹَ + م	=	ٹَ + م
बू	=	بُو	=	بُ + و	=	بُ + و
पस	=	پس	=	پ + س	=	پ + س
बता	=	بتا	=	بَ + تَ + ا	=	ب + ت + ا
चबा	=	چبا	=	چ + بَ + ا	=	چ + ب + ا
जुटा	=	جُٹا	=	جُ + ٹ + ا	=	جُ + ٹ + ا

ج چ ح خ जब शुरु मे आते हैं तब इनका रुप جـ چـ حـ خـ और बीच मे ـجـ ـچـ ـحـ ـخـ और अन्त मे इनका असल रुप रहता है।

जल	=	جل	=	جـ + ل	=	ج + ل
चट	=	چٹ	=	چـ + ٹ	=	چ + ٹ
ख़त	=	خط	=	خـ + ط	=	خ + ط

हज = جج = جَ + ج = جَ + ج

बचा = بچا = بَ + چَ + ا = بَ + چ + ا

बजा = بجا = بَ + جَ + ا = بَ + ج + ا

ر ڑ ز जब शुरु में आते हैं तो किसी से नहीं जुड़ते । अन्त में इनका रुप ـر ـڑ ـز होता है यह बीच में नही आते इनके बाद कोई अक्षर नहीं जुड़ता ।

दिल = دل = دِ + ل

ज़रा = زرا = زَ + ر + ا

क़द = قد = قَ + د = ق + د

ग़िज़ा = غذا = غِ + ذَ + ا = غ + ذ + ا

डाल = ڈال = ڈَ + ا + ل

बदला = بدلا = بَ + دَ + لَ + ا = ب + د + ل + ا

ڑ ز ژ जब शुरु में आते हैं तो किसी से नहीं जुड़ते अन्त में इनका रुप ـڑ ـز ـژ होता है । यह बीच में नही आते इनके बाद कोई अक्षर नहीं जुड़ता ।

रस = رس = ر + س

रबड़ = ربڑ = ر + ب + ڑ = ر + ب + ڑ

गज़ = گز = گ + ز = گ + ز

बड़ = بڑ = ب + ڑ = ب + ڑ

س ش में केवल नुक़्तों (बिन्दियों) का अन्तर होता है शुरु और बीच में आते है तो इनका रुप سـ شـ हो जाता है । अन्त में इनका असल रुप रहता है ।

सर = سر = سـ + ر = س + ر

बस = بس = بـ + س = ب + س +

कसर = کسر = کـ + سـ + ر = ک + س + ر

बशर = بشر = بـ + شـ + ر = ب + ش + ر

नोश = نوش = نـ + و + ش = ن + و + ش

ص ض में केवल नुक़्तों (बिन्दियों) का अन्तर होता है शुरु और बीच में आते हैं तो इनका रुप صـ ضـ होता है । अन्त में इनका असल रुप रहता है ।

सद = صد = صَ + د = صَ + د

ज़िद = ضد = ضِ + د = ضِ + د

ظ ط و यह अपना रुप शुरु बीच या अन्त में भी नहीं बदलते।

बत = بط = بَ + ط = بَ + ط

ज़ुल्म = ظلم = ظُ + ل + م = ظُ + ل + م

तूर = طور = ط + و + ر = ط + و + ر

ताक़ = طاق = طَ + ا + ق = طَ + ا + ق

ع غ यह शुरु में आते हैं तो इनका रुप عغ होता है। बीच में इनका रुप ـعـغـ होता है और अन्त में ـع ـغ रुप होता है।

इल्म = علم = عِ + ل + م = عِ + ل + م

शेर = شعر = شِ + ع + ر = شِ + ع + ر

बग़ल = بغل = بَ + غَ + ل = بَ + غَ + ل

जमा = جمع = جَ + مَ + ع = جَ + مَ + ع

ق ف शुरु में आते हैं तो इनका रुप قـ فـ

होता है । बीच में इनका रुप فـ قـ होता है। अन्त में इनका रुप ـف ـق / ـق होता है ।

फ़क् = فق = فـ + ق = فَ + ق

कफ़ = کف = کـ + ـف = کَ + ف

फ़क़त = فقط = فـ + قـ + ط = فَ + قَ + ط

کـ گـ दोनों में केवल मरकज़ का अन्तर होता है । शुरु और बीच में इनका रुप एक सा کـ گـ کـ گـ होता है। अन्त में असल रुप रहता है ।

रुक = رُک = رُ + ک

रग = رگ = رَ + گ

बकरा = بکرا = بـ + کـ + رـ + ا = بَ + کَ + رَ + ا

बिगड़ = بگڑ = بـ + گـ + ڑ = بِ + گِ + ڑ

बका = بکا = بـ + کـ + ا = بَ + کَ + ا

गदा = گدا = گـ + دـ + ا = گَ + دَ + ا

बिगुल = بگل = بـ + گـ + ل = بِ + گُ + ل

ل जब अन्त में आता है तो इसका असल रुप रहता है । शुरु और बीच में لا हो जाता है ।

लाल = لَال = لَ+ا+ل = لَ+ا+ل

कलम = قَلَم = قَ+لَ+م = قَ+لَ+م

م जब शुरु और बीच में आता है तो इसका रुप बदल जाता है م مـ مـ مـ अन्त में आता है तो उसका रुप असल रहता है ।

मर = مَر = مَ+ر = م+ر

बम = بَم = بَ+م = ب+م

जमा = جَمَا = جَ+مَ+ا = ج+م+ا

ن जब शुरु और बीच में आता है तो इसका रुप बदल जाता है نـ نـ نـ अन्त में असल रुप रहता है ।

दिन = دِن = د+ن

बदन = بَدَن = بَ+دَ+ن = ب+د+ن

नल = نَل = نَ+ل = نَ+ل

नम = نَم = نَ+م = نَ+م

बना = بَنا = بَ+نَ+ا = بَ+نَ+ا

ہ के रूप :- ہ ھ ـہ

शुरु में रूप ہ ہ होता है बीच में रूप ھ होता है। अन्त में इसका रूप ـہ ہ होता है।

हवा = ہَوا = ہَ+وَ+ا = ہَ+وَ+ا

बहा = بَہا = بَ+ہَ+ا = بَ+ہَ+ا

फल = پھَل = پَ+ھَ+ل = پَ+ھَ+ل

राह = رَاہ = رَ+ا+ہ

वजह = وَجہ = وَ+جَ+ہ = وَ+جَ+ہ

ے ی शुरु और बीच में इनका रूप ـیـ ـیـ हो जाता है। अन्त में इनका असल रुप रहता है।

यार = یار = یَ+ا+ر = یَ+ا+ر

गया = گیا = گَ+یَ+ا = گَ+یَ+ا

बदी = بدی = بَ+دِ+ی = بَ+دِ+ی

ऐ = اِ + ے

مشق

नीचे दिये हुये अक्षरों को उर्दू में मिलाकर लिखो

खड़	=	ر + ب + ڑ
चला	=	چ + ل + ا
बना	=	بَ + ن + ا
शेर	=	ش + ع + ر
बसा	=	ب + س + ا
बला	=	ب + ل + ا
चोर	=	چ + و + ر
खोल	=	خ + و + ل
गोल	=	گ + و + ل
मोर	=	م + و + ر
सलाम	=	س + ل + ا + م

rekhta

जमा	=	ج+م+ع
ख़राब	=	خ+ر+ا+ب
दिमाग़	=	د+م+ا+غ
चिराग़	=	چ+ر+ا+غ
फ़िराक़	=	ف+ر+ا+ق
तूर	=	ط+و+ر
ज़ालिम	=	ظ+ا+ل+م
नवाब	=	ن+و+ا+ب
शेर	=	ش+ے+ر
बिगुल	=	ب+گ+ل
शक्ल	=	ش+ک+ل
फ़सल	=	ف+ص+ل
उमर	=	ع+م+ر

नीचे लिखे शब्दों को अलग अलग लिखिये जैसे شاعر को ش+ا+ع+ر

گلی چوک شکل

جان	کان	گانا
غور	خدا	بچا
پاگل	شہر	آباد
زندہ	وقت	شام
اترا	مرنا	جینا
عالم	راشد	خوشی
جوان	بوڑھا	اناج
جاڑا	برسات	پانی
روٹی	چلو	بڑھو
آگے	یار	گورا
طلب	چار	تار

rekhta

पाठ 6

दो तरह के अक्षर دو طرح کے حروف

उर्दू के अक्षरों को दो भागों में बाँट सकते हैं केवल ط ظ و अक्षर ऐसे हैं जो आरम्भ में आयें या बीच में आयें या अन्त में सदैव पूरे लिखे जायेंगे ।

غلط	سط	طاق	طور
ग़लत	स्त	ताक़	तूर

اوڈوذرڑزژو के अक्षर सदैव पूरे लिखे जायेंगे और उनके आगे कोई दूसरा अक्षर नहीं मिलाया जाता ।

ذک	ڈر	دس	در	اے	اب
ज़क	डर	दस	दर	ऐ	अव
رک	رو	وہ	زر	رد	رب
रुक	रो	वह	ज़र	रद	रब

ب پ ت ٹ ث ج چ ح خ س ش

ص ض ع غ ف ق ک گ ل م ن ہ ی ے

इन अक्षरों के सिरे लिखे जायेंगे और मिलाकर भी लिखे जायेंगे परन्तु शब्द के अन्त में आयें तो पूरे लिखे जायेंगे ।

مشق

हिन्दी में लिखोः—

چُور	ڈُور	زُور	دُور	تُور
باڑا	باجا	بالا	بارہ	بابا
تارا	تالا	تاگا	تاڑا	تاشا
جاڑا	جاگا	جانا	جاوا	چارہ
چاچا	دارا	ڈاکا	سارا	سایا

شاما کاتا کاٹا کالا گانا

گایا لالا مارا مانا نالا

ناچا ہارا رک رال ڈال

چاچا چارہ لایا دارا باجا لایا شاما جاگا

کالا باجا لایا دارا ہارا مالا ڈالا تاگا لایا

उर्दू में लिखो :—

बाजा लाया गाना गाया ताला लाया

तागा लाया डाका डाला चारा काटा

दारा भाला लाया गारा लाना ताया तागा लाना

काला तागा लाना जाड़ा आया गाना गाया

rekhta

पाठ 7

ب پ ت ٹ ث

के मिलाने का तरीका

ب پ ت ٹ ث इनका रुप एक सा होता है बस नुक्तों (बिन्दियों) का अन्तर होता है। जब शुरु में आते हैं इनका रुप بـ پـ تـ ٹـ ثـ / بـ پـ تـ ٹـ ثـ / بـ پـ تـ ٹـ ثـ होता है बीच में इनका रुप بـ پـ تـ ٹـ ثـ हो जाता है। अन्त में असल रुप रहता है। जैसे :-

بَن	پَر	تَن	ٹَب	تُم
बन	पर	तन	टब	तुम
بَٹ	پَٹ	بُت	تَب	سَٹ
बट	पट	बुत	तब	सट
کَپ	کِتنا	چھپنا	کٹنا	جِتنا
कप	कितना	छपना	कटना	जितना

हिन्दी में लिखो

بَٹ	پَٹ	پَت	ثَت	بَٹ
تِل	رَب	رَٹ	بَد	ٹَر
ٹَل	بَس	تَر	ٹَم	بِل

पाठ 8

ج چ ح خ के मिलाने का तरीक़ा

ج چ ح خ का रुप एक सा होता है। बिन्दी (नुक़्ते) का अन्तर होता है। ج के अन्दर एक, چ के अन्दर तीन, ح ख़ाली, خ के ऊपर एक बिन्दी होती है।

ج چ ح خ जब शुरु में आते हैं तो इनका रुप جـ چـ حـ خـ होता है। बीच में जब आते हैं तो इनका रुप ـجـ ـچـ ـحـ ـخـ हो जाता है अन्त में इनका असल रुप रहता है

بجری	چرخا	سخت	بخیہ	خرچ
वजरी	चर्ख़ा	सख़्त	वख़िया	ख़र्च
بخت	بجلی	بچو	چمک	جنی
वख़्त	विजली	वचो	चमक	जजी
جج	جل	جٹ	جت	جب	جا
जज	जल	जट	जत	जब	जा
چش	چٹ	چکھ	چڑھ	جڑ	جچ
चश	चट	चख	चढ़	जड़	जच

حش	حج	حب	حا	چر	چس
हश	हज	हब	हा	चर	चस
حق	حل	خط	خم	چم	چک
हक़	हल	ख़त	ख़म	चम	चक
خر	خش	خن	خگ	حر	حد
ख़र	ख़श	ख़न	ख़ग	हर	हद
		خل	خف		
		ख़ल	ख़फ़		

हिन्दी में लिखो

رجب	حال	چال	چنا	جالی
خالی	ختم	جنم	بحث	بخت
غاس	حیرت	پچاس	باجرا	خرابی
جس	تجوری	بجری	اخبار	نخاس
چوٹی	چرانا	خبر	جیل	جوش
چتھڑا	چیز	جوش	حواس	چپراسی

rekhta

हिन्दी में लिखो

جَال	جَل	جَب	چُپ	چَار
حَال	چُور	خَار	خَاک	چَاک
جھَاگ	جَل	چُن	چَنا	خُون
خَراب	چُرانا	جَم	جَرس	چَل
چیل	چھَال	خَاص	چیر پھاڑ	جُو

उर्दू में लिखो

चार	जन	चने	जाते	जोड़
चोरी	चौदह	जाल	ख्वाला	[illegible]
ख़ाली	ख़ूली	झील	झेल	छाता
छतरी	झबड़ी	झाड़	जेल	ज़ैल
जल	चमार	जव	चाबी	चरबी
जाली	जार	चोर	चील	जीत

rekhta

पाठ 9

ا د ڈ ذ ر ڑ ز ژ के मिलाने का तरीक़ा

ا د ڈ ذ ر ڑ ز ژ के अक्षर सदेव पूरे लिखे जाते हैं जब यह अक्षर शुरु में आते हैं किसी अक्षर से नहीं मिलते और इनका असल रुप रहता है । अन्त में इनका ا د ڈ ذ ر ڑ ز ژ रुप हो जाता है । बीच में नहीं आते । जैसे :—

اب	دم	ڈر	رٹ	نا	کا
अब	दम	डर	रट	ना	का
بر	زر	قد	بد	گز	جز
बर	ज़र	क़द	बद	गज़	जुज़

हिन्दी में लिखो

اِک	اُس	دس	ذر	دب	رس
زن	دم	رُخ	دو	رُو	دِق
اُڑ	دِل	رُک	ان	زر	دِن

पाठ 10

س ش ص ض के मिलाने का तरीका

س ش ص ض जब शुरु और बीच में आते हैं तो उनका रुप ـسـ ـشـ ـصـ ـضـ हो जाता है अन्त में इनका असल रुप रहता है ।

سَث	سَٹ	سَت	سَپ	سَب	سَا
सस	सट	सत	सप	सब	सा
سَڈ	سَد	سَخ	سَح	سَچ	سَج
सड	सद	सख	सह	सच	सज
سَع	سَط	سَص	سَس	سَر	سَذ
सा	सत	सस	सस	सर	सज़
سَن	سَم	سَل	سَک	سَق	سَف
सन	सम	सल	सक	सक़	सफ़
شَب	شَا	سے	سی	سَہ	سَو
शव	शा	से	सी	सह	सौ
ضَرورَت	صَم	سب	صَا	شَل	شَخ
ज़रुरत	सम	सब	सा	शल	शख

उर्दू में लिखो

सच	सिल	सेर	सैल	सय्यद
शौक़	शैतान	शरबत	सत्य	सागर
वशीर	सबब	सब्र	शराब	शेर
शीर	शोर	सोज़िश	शरमा	शौकत
शैदा	सारस	समोसा	शम्स	सूरत
साल	वसाल	सख़ावत	शैतान	सौदा

हिन्दी में लिखो

سَفَر	سَال	سَمُوسَہ	صُرَاحِی	سَاگ
شَام	شَوق	صَاحب	صُبح	صَحِیح
سِیرت	شَربت	تَصوِیر	صُورَت	بَشَاشت
ضَامن	سَبَب	سَخی	سَخَاوَت	شَوق
صَبر	شَیطَان	ضَرُورَت	ضَرب	رَسَاوَل
شَرع	شَان	شَرح	تَصوّر	سَوَال

पाठ 11

ظ ا ط و के मिलाने का तरीका

ظ ا ط و यह अपना रुप शुरु बीच और अन्त में नहीं बदलते जैसे :—

طویل	طرز	طور	ظہور	بظ	ظلم
तवील	तरज़	तौर	ज़हूर	बत	ज़ुल्म
طبل	ظالم	طاق	طاہر	ظاہر	طول
तबल	ज़ालिम	ताक़	ताहिर	ज़ाहिर	तूल
	طوطا	طور	طاہرہ	طاقت	
	तोता	तूर	ताहिरा	ताक़त	

و के बाद कोई अक्षर नहीं मिलता जब कोई अक्षर و से मिलता है तो و का स्वर ओ और ऊ हो जाता है जैसे :— नो = نو, दूर = دور, चूना = چونا।

تول	چوٹ	چور	جوڑ	ڈول
तोल	चोट	चोर	जोड़	डोल

گُول	سُوچ	زُور	شُور	گُود
गोल	सोच	ज़ोर	शोर	गोद
چُونا	جُوتا	ٹُوٹا	پُورا	بُورا	اُون
चूना	जूता	टूटा	पूरा	बूरा	ऊन
بھُول	ہُوا	مُولی	کُوٹا	چاقُو	خُوب
भूल	हुआ	मूली	कूटा	चाक़ू	ख़ूब
دُور	گھُوم	چھُوٹ	جھُوٹ	تھُوک	پھُول
दूर	घूम	छूट	झूट	थूक	फूल

जब कोई ज़बर वाला अक्षर و से मिलता है तो و की आवाज़ औ हो जाती है जैसे سو सौ, نَو नौ, دَوڑ दौड़ ।

فَو	سَو	رَو	دَو	چَو	اَو
फ़ौ	सौ	रौ	दौ	चौ	औ
یَو	غَو	نَو	لَو	کَو	قَو
यौ	ग़ौ	नौ	लौ	कौ	क़ौ
سودا	رونق	دولت	چوک	پودا	اور
सौदा	रौनक़	दौलत	चौक	पौदा	और

पाठ 12

ع غ ف ق के मिलाने का तरीक़ा

ع غ पहले आने पर इनका रुप عغ/عغ हो जाता है । जैसे ग़ुल = غل , अब = عب , आ = عا
बीच में आने पर इनका रुप عغ عغ हो जाता है जैसे लानत = لعنت , लुग़त = لغت ,
अन्त में इनका रुप ع غ ع غ हो जाता है जैसे जमा = جمع , मग़ = مغ

عک	عص	فعلی	جعلی	عط
अक	अस	फ़ाली	जाली	अत
مغرب	لغ	بالغ	چغلی	غو
मग़रिब	लग़	बालिग़	चग़ली	ग़ो

ف ق जब शुरु में आते हैं इनका रुप فق होता है बीच में रुप فق हो जाता है अन्त में इनका रुप ف ق होता है

فقیر	فط	فس	سفر	فد	فج
फ़क़ीर	फ़त	फ़स	सफ़र	फ़द	फ़ज
قچ	قت	قا	فن	فم	فق
क़च	क़त	क़ा	फ़न	फ़म	फ़क़
قم	قل	قف	قی	قط	قد
क़म	क़ल	क़फ़	क़ी	क़त	क़द

हिन्दी में लिखो

طَبَع	جَمع	سَعَد	عَطا	عَابِد
بَغل	غُل	غَالِب	غُوغا	عارف
غُرُوب	غَرَق	عَرَق	غَبَن	غَرِیب
فریق	مَفَر	مُفسِد	فاسِق	فَاخِر
قَارِی	قَرِیب	ضَعِیف	ظَرِیف	شَرِیف
نَاقِد	وَرق	خالق	فقیر	عَقِیل

पाठ 13

ک گ ل م के मिलाने का तरीक़ा

ک گ जब शुरु में आते हैं तब इनका रुप کگ होता है बीच में इनका रुप ـکـ ـگـ और अन्त में असल रुप रहता है । ل या ل से शुरु या बीच में मिलने पर रुप ـکل ـگل हो जाता है ।

کس	کڑ	کد	کج	کب	کا
कस	कड़	कद	कज	कब	का
کل	کف	کع	کط	کص	کش
कल	कफ़	का	कत	कस	कश
کے	کی	کہ	کو	کن	کم
के	की	कह	को	कन	कम
گم	گل	گر	گج	گب	گا
गम	गल	गर	गज	गब	गा
بکرا	گے	گی	گہ	گو	گن
बकरा	गे	गी	गह	गो	गन

ل م जब शुरू में आते हैं तब इनका रूप لـ مـ ـمـ हो जाता है बीच में इनका रूप ـلـ हो जाता है अन्त में असल रूप रहता है ।

لس	لڑ	لد	لج	لب	لا
लस	लड़	लद	लज	लब	ला
لم	لک	لق	لف	لع	لص
लम	लक	लक़	लफ़	ला	लस
لال	لے	لی	لہ	لو	لن
लाल	ले	ली	लह	लौ	लन
الم	الماری	لگان	لکیر	لفافہ	لب
अलम	अलमारी	लगान	लकीर	लिफ़ाफ़ा	लब
گملہ	کلام	کمال	لشکر	لکڑی	علم
गमला	कलाम	कमाल	लश्कर	लकड़ी	इल्म
	گیس	گیش	گیدڑ	گاڑی	
	गैस	कैश	गीदड़	गाड़ी	

उर्दू में लिखो ।

लाग लोमड़ी काली क़याम कसर
काहिली क़ब्र गोश्त घड़ी गज़ गेड़ी
गाजर गधा गुनाह लाली कालीकट

क़लम कोला कैसे कोशिश दुकानदार
देगची दारोग़ाजी दलिया डली इलाही
मुरादाबाद मुशीर मेला मुबारकअली

हिन्दी में लिखो

لٹیرا	ڈاکٹر کچلو	کالی	داس	قلی
کیلی	گھر	جھاکڑ	چھاگل	کم
قلم	لگام	گول	گاڑی	لیکر
بالک	پاگل	گالی	گلوری	گلاس
غلام	فلاسفر	کلاس	کیلاش	کمیلہ
گلزاری	لال	فیصلہ	فضل	لفظ
فضول	دلیل	سلیم	سلطان	کالی کٹ
بگل	کراچی	کمربند	ملامت	مکھی
لیاقت	موچی	میان	قلعی گر	بالکل

पाठ 14

ن اور تنوین नून और तनवीन

ن जब शुरु और बीच में आता है तो उसका रूप ـنـ ـنـ ـن हो जाता है अन्त में असल रूप रहता है। जैसे नल = نل, नम = نم, बना = بنا, बदन = بدن

نم	نل	نش	نر	ند	نج
नम	नल	नश	नर	नद	नज
نا	نے	نی	نہ	نو	نوٹ
ना	ने	नी	नह	नौ	नोट
خان	پان	نال	مان	جان	نٹ
ख़ान	पान	नाल	मान	जान	नट
نیلا	نامی	نمی	نیلام	کان	ناک
नीला	नामी	नमी	नीलाम	कान	नाक
میمن	نظم	نیاز	نوازش	نہال	عنایت
मैमन	नज़्म	न्याज़	नवाज़िश	निहाल	इनायत

خاندان	منوہرداس	موہنی	نجس
ख़ानदान	मनोहरदास	मोहनी	नजिस

ً तनवीन – दो ज़बर की आवाज़ (अन) को कहते हैं जैसे फ़ौरन = فوراً

جواباً	آناً فاناً	اخلاقاً	خصوصاً
जवाबन	आनन फ़ानन	अख़लाक़न	ख़ुसूसन
اصولاً	مثلاً	عموماً	فوراً	معاً
उसूलन	मसलन	उमूमन	फ़ौरन	मअन

उर्दू में लिखो

जहाँ पान उमूमन खाये जाते हैं वहाँ पान दान ज़रुर होते हैं । मेरी माँ ने फ़ौरन ख़ानसामा को यहाँ से बुला लिया । आनन फ़ानन लड़कों ने गाड़ी पकड़ ली । जानवर जहाँ पानी पियें वहाँ हमें जाना मना है ।

हिन्दी में लिखो

لڑکیاں ذہین ہوتی ہیں ۔ جہاز آناً فاناً نکل گیا۔

पाठ 15

نون غنّہ नूनग़ुन्ना

ن की आवाज़ जब नाक ही में समाप्त हो जाये और पूरी तरह प्रकट न हो तो ऐसे नून को नूनग़ुन्ना कहते हैं । जब ں नूनग़ुन्ना के लिये लिखा जाता है तो उस में बिन्दी नहीं रखते जैसे जहाँ = یہاں, कहाँ = کہاں परन्तु जब नूनग़ुन्ना बीच में आता है तो उस में बिन्दी रखी जाती है । जैसे :—

جائیں	کنواں	گیہوں	میں	وہاں	ماں
जायें	कुआँ	गेहूँ	मैं	वहाँ	माँ
دانت	لکھوں	پڑھوں	پیوں	آندھی	کھاؤں
दाँत	लिखूँ	पढ़ूँ	पियूँ	आँधी	खाऊँ
بھینس	بندر	منتر	چاند	پھانس	ڈانٹ
भैंस	बंदर	मंतर	चाँद	फाँस	डाँट
	یہاں	پانچ	سانس	چونچ	
	यहाँ	पाँच	साँस	चोंच	

उर्दू में लिखो

जौंग गंगा पलंग दंगा छींट गालियां गंवार संभाल औंख मुंह पौंच नहीं वौंध क्यों चलो जहाँ पानी मिले वहाँ चलें । खाना कैसे खावें औंधी आ रही है । पौंच फल छौंट लो

हिन्दी में लिखो

بانس منڈی یہاں سے کتنی دور ہے۔ پانی سے آنکھ دھو ڈالوں۔ کپڑے چھانٹ کر کہاں رکھوں۔ وہاں اناج کے ڈھیروں میں لڑکیاں کھڑی ہیں بھینسیں زیادہ دودھ دیتی ہیں۔ چاند گرہن دیکھنے گنگا جی پر ہم بھی چلیں گے۔ بڑی پھنسیاں پھوڑے بن جاتی ہیں۔ میں ننگے پاؤں کیسے چلوں۔ ہم کہاں جائیں گے۔ مہمان کل بنارس سے آئیں گے۔

पाठ 16

ہ के मिलाने का तरीका

ہ शुरु में इसका रुप ہ ہ ہ होता है बीच में रुप ـہـ रहता है, अन्त में रुप ـہ रहता है। जैसे बहाना = بہانا, राह = راہ

ہد	ہر	ہس	ہت	ہل	ہم
हद	हर	हस	हत	हल	हम
ہو	ہی	ہے	ہا	ہب	ہٹ
हो	ही	है	हा	हब	हट
ہمدم	ہمارا	ہلدی	ہیرا	ہاتھ	ہن
हमदम	हमारा	हल्दी	हीरा	हाथ	हन
مہک	سہل	رہتی	جگہ	رہتا	ظہور
महक	सहल	रहती	जगह	रहता	ज़हूर

हिन्दी में लिखो

ہمارے مہمان کل ہی آئیں گے ۔ زاہد ہمدرد اور

पाठ 17

ھ दो चश्मी हे

ھ सदैव वैसे ही लिखा जाता है चाहे शब्द के आरम्भ में हो या बीच में या अन्त में ।

दो चश्मी हे ھ के लिये जो स्वर निकलता है उसका वर्ण यह है ।

घ = ھ + د = دھ	भ = ھ + ب = بھ
ढ = ھ + ڈ = ڈھ	फ = ھ + پ = پھ
ढ़ = ھ + ڑ = ڑھ	थ = ھ + ت = تھ
ख = ھ + ک = کھ	ठ = ھ + ٹ = ٹھ
घ = ھ + گ = گھ	झ = ھ + ج = جھ
	छ = ھ + چ = چھ

چھال	ڈھاک	بھالا	گھاٹ	دھاگا	بھاپ
छाल	ढाक	भाला	घाट	धागा	भाप
باڑھ	جھاگ	رتھ	اساڑھ	پڑھا	پھاٹک
बाढ़	झाग	रथ	असाढ़	पढ़ा	फाटक

اچھا دوست ہے۔ بہادر آگرہ میں کہاں رہتا ہے۔
ریل گاڑی میں جگہ مل ہی گئی ہوگی۔ ہم لوگ اگر
وہاں جاتے تو ہم سب کو جگہ مل ہی جاتی۔
صبح ٹہلنے سے تازہ ہوا ملتی ہے۔ ہوائی جہاز
کا سفر بہت آسان اور مہنگا ہوتا ہے۔ ہم کو
وہ خط لاکر دے دو۔ ہر وقت غل نہ کرو بلکہ
چپ رہو۔ موہن اور اس کی بہن سے کہنا کہ پُل
پر مت چلو وہ ہل رہا ہے۔ کبھی کسی کو دھوکہ
مت دو۔ اچھی اور سچ بات سے نہ ہٹو۔ غصہ
میں آپے سے باہر نہ ہوجایا کرو۔ بہت تیز پُروا
ہوائیں چل رہی ہیں۔ قرض کسی سے بھی ہرگز نہ
لیا کرو۔ اے بچو اپنے ماں باپ کا کہنا مانو۔

تھال کھاٹ بھالا ٹھاٹھ کھال گھڑا
थाल खान भाला ठाठ खाल घड़ा
بچھاچھ لاکھ بھاڑا چھالی راکھ کھانا
छाछ लाख भाड़ा छाली राख खाना

उर्दू में लिखो

थाली भालू भाभी झुक छत चढ़ दुख
लिख रख खट पढ़ चख थान भाड़
घास धार धमाका फिर भरोसा छत झुक
चिथड़ा घर ढक

हिन्दी में लिखो

بھیتر پھل رکھا تھا۔ تھالی ٹھاکر کو دے
دو۔ جھوٹ اور چھوت سے بھلے آدمی کو بچنا
چاہئے۔ دھوکہ مت دو۔ ڈھولک بجتی ہے۔ یہ
اساڑھ کا مہینہ ہے۔ کھانا چباکر کھانا چاہئے۔
گھی کے پراٹھے اچھے ہوتے ہیں۔ گھر کے بھیتر
اور باہر ساٹھ پینسٹھ آدمی کی بھیڑ جمع تھی۔

पाठ 18

ई की मात्रा ی

ई की मात्रा के लिये उर्दू में छोटी ی लिखी जाती है । जैसे जी = جی.

خی	چی	کی	ٹی	تی	پی	وی	ای
खी	ची	की	टी	ती	पी	वी	ई
غی	شی	سی	زی	ڑی	ری	ڈی	دی
ग़ी	शी	सी	ज़ी	ड़ी	री	डी	[illegible]
نی	ہی	می	لی	گی	کی	قی	فی
नी	ही	मी	ली	गी	की	क़ी	फ़ी

इन शब्दों को पढ़ो और लिखो ।

بھائی ساتھی ڈھائی کھائی آدھی ساڑھی داڑھی لاٹھی

بی بی کاپی کاٹی ناچی چرخی سردی زردی آری

گاڑی برسی کاشی مرغی برقی ترکی کالی نامی

جالی پانی راوی بری شاہی باتھی ساجھی نالی

पाठ 19

ई की मात्रा (ی) का जोड़

जब छोटी ی शुरु में आती है तबउसका रुप ـیـ ـیـ ـیـ होता है बीच में आने पर इसका रुप ـیـ हो जाता है अन्त में इसका असल रुप रहता है। जैसे :— कील = کیل शमीम = شمیم

इन शब्दों को पढ़ो

سلیم	وکیل	ٹیلا	نیلا	فیس	میل
सलीम	वकील	टीला	नीला	फीस	मील
کھیر	میٹھا	جھیل	زمین	گیت	جیتا
खीर	मीठा	झील	ज़मीन	गीत	जीता
نسیم	رئیس	دین	رشید	نیچا	چیل
नसीम	रईस	दीन	रशीद	नीचा	चील
لکیر	شیشی	زین	فقیر	امیر	ریچھ
लकीर	शीशी	ज़ीन	फ़क़ीर	अमीर	रीछ
	جالی	سیکھ	سیٹ	ٹیم	
	जाली	सीख	सीट	टीम	

पाठ 20

ए की मात्रा ے

ए की मात्रा के लिये उर्दू में बड़ी ے लिखा जाता है जैसे:- के = کے, ने = نے

رے	دے	خے	چے	جے	ٹے	تے	بے
रे	दे	ख़े	चे	जे	टे	ते	बे
مے	لے	گے	کے	فے	شے	زے	ڑے
मे	ले	गे	के	फ़े	शे	ज़े	ड़े

जब कोई ज़बर वाला अक्षर बड़ी ے से मिलता है तो बड़ी ے का स्वर ऐ हो जाता है जैसे ने = نَے, है = ہَے

لَے	فَے	چَے	جَے
लै	फ़ै	चै	जै
ہَے	کَے	تھَے	نَے
है	कै	थै	नै

पाठ 21

ऐ की मात्रा ے के जोड़

जब बड़ी ے शुरु में आती है तब इसका रुप ے ے ے ے होता है बीच में आने पर इसका रुप ے ے हो जाता है अन्त में इसका असल रुप रहता है।

जैसे :— नेक = نیک, देख = دیکھ, ले = لے

چیلا	بیٹا	ٹھیلا	لیکن	جیل	ایک
चेला	बेटा	ठेला	लेकिन	जेल	एक
تیرا	میرا	نیزہ	سیٹھ	پیڑ	کھیت
तेरा	मेरा	नेज़ा	सेठ	पेड़	खेत
سیر	پیسہ	کیلا	بھیس	ریکھا	شیر
सैर	पैसा	केला	भेस	रेखा	शेर
کیسا	جیسا	ٹھیر	قید	تیر	تھیلا
कैसा	जैसा	ठैर	क़ैद	तैर	थैला
	بیر	پیکر	چین	خیر	
	बैर	पैकर	चैन	ख़ैर	

पाठ 22

~ मद्द ٓ

मद्द ~ (ٓ) दीर्घ आ की ध्वनि है । जिस अक्षर को खींचते हैं उस पर लगाते हैं ।

آنا	آج	آن	آڑو	آم
आना	आज	आन	आड़ू	आम

हिन्दी में लिखो

آٹا آدمی آرام آواز آبرو آرا

آری آپ آگ آم آس آیا

उर्दू में लिखो

आन	आस्तीन	आँधी	आसरा	आरज़ू
आम	आजकल	आसमान	सामान	झाड़ू
क़ालीन	आराम	आख़िर	आज़ाद	आबादी

पाठ 23

तशदीद (ّ) تشدید

जब एक अक्षर दो बार आवाज़ दे उसको तशदीद (ّ) कहते हैं ।

بھدّا	کُتّا	اَبّا	تھپّڑ	بَتّی	کٹّر
भद्दा	कुत्ता	अब्बा	थप्पड़	बत्ती	कट्टर
اَمّی	اَنّا	تَیّار	عِزّت	مچّھر	سَچّا
अम्मी	अन्ना	तैय्यार	इज़्ज़त	मच्छर	सच्चा
خچّر	سقّہ	لَلّو	سَتّار	کوّا	اُلّو
खच्चर	सक़्क़ा	लल्लू	सत्तार	कव्वा	उल्लू

उर्दू में लिखो

मिस्सी कच्ची मुन्नी पट्टी अब्बा

गन्ना चक्की लट्टू भद्दा हिस्सा

क़िस्सा रस्सी हुक़्क़ा अव्वल मच्छर

इज़्ज़त ज़िल्लत रद्दा चक्कर अल्लाह बट्टी

हिन्दी में लिखो

اچھا بچہ سچا ہوتا ہے۔ ابا بازار سے گنا لائے۔
اماں نے کل ایک قصہ سنایا۔ آگ حقہ سے بچہ
پر گر پڑی۔ میں نے اس کو تھپڑ مارا۔ اچھے کاموں
سے جنت ملے گی۔ دنیا میں عزت حاصل کرو۔
ذلت سے بچو۔ بگھی پر مکھی تھی۔ بلی نے پکا
گوشت کھا لیا۔ چھپر کو مار ڈالو۔ سچی بات کڑوی
ہوتی ہے۔ مکھی لات مار جائے گی۔ تلی کا تیل
میٹھا ہوتا ہے۔ منو کلکتہ میں ہے۔ امی نے چپل
منگائی۔ مجھے لڈو بہت پسند ہیں۔ ڈبے
کا ڈھکن بند کر دو۔

पाठ 24

उर्दू में लिखो

सड़क पर मत चलो । नर्म रोटी खाओ । बर्फ़ का पानी लाओ । क़मर अच्छा लड़का है । तख़्ती पर क़लम से लिखो । एक साथ सफ़र करो । तित्तर बित्तर न हो । हवस करना बुरा है । शकर की चाय बनाओ । मेहनत का फल अच्छा होता है । खुदा के आगे झुको । उस्ताद की बात ग़ौर से सुनो । शौक़ से पढ़ो जो कुछ पढ़ो उस को समझो । स्कूल से मत भागो । किताब को मत फाड़ो । घर का काम करो । किसी को बुरा न कहो । यह देहली की शाही मस्जिद है । जमुना नदी बह रही है । किसी को बुरी बात न कहो । सड़ी चीज़ मत खाओ। घड़ी चल रही है । सदी एक सौ साल की होती है । गन्दी गली में न जाओ। छड़ी को उठा लो । शाख़ में कली लगी है । किताब को साफ़ रखो । बदी से हमेशा दूर रहो।

पाठ 25

हिन्दी में लिखो

(۱)

ایک کتے سے لوگوں نے پوچھا کہ تو راستہ میں کیوں پڑا رہتا ہے۔ اس نے کہا "میں دیکھتا ہوں کہ کون آدمی اچھا ہے اور کون بُرا ہے۔" لوگوں نے اس سے کہا وہ یہ کس طرح دیکھتا ہے۔ کتے نے کہا کہ وہ آدمی جو اچھا ہوتا ہے وہ میری طرف نہیں دیکھتا لیکن جو خراب ہے وہ مجھے ٹھوکر مارتا ہے۔

(۲)

ایک مسافر بھاگتا ہوا اور ہانپتا ہوا اسٹیشن کے پلیٹ فارم پر آیا اور قلی سے کہا "مجھے آگرہ کی گاڑی مل سکتی ہے۔" قلی نے کہا "صاحب گاڑی دو منٹ ہوئے چھوٹی ہے۔ اگر آپ تیز دوڑ سکتے ہیں تو گاڑی کو پکڑ لیں گے ورنہ نہیں۔"

(۳)

ایک فقیر ایک کنجوس کے پاس گیا اور کہا ہم دونوں ایک ہی آدم اور حوّا کے بیٹے ہیں اس لئے بھائی ہیں۔ تو مالدار ہے

اور میں محتاج ہوں۔ تو میرا آدھا حصّہ مجھے دے۔" اس مالدار نے ایک پیسہ اس کو دیا۔ اس نے کہا "ارے بھائی تو مجھے کم کیوں دے رہا ہے۔ مجھے آدھا دے۔" اس نے کہا چپکے سے چلا جا۔ اگر تیرے بھائی سُن پائیں گے تو تجھے اتنا بھی نہ ملے گا

(۴)

ایک بیمار آدمی ایک حکیم کے پاس گیا اور کہا "میرے پیٹ میں کل سے درد ہے دوا دے دیجئے۔" حکیم نے اس سے پوچھا۔ "کل دن کے وقت تو نے کیا کھایا تھا۔" مریض نے کہا جی کچھ نہیں ایک جلی روٹی کھائی تھی۔" حکیم نے اس کی آنکھ میں دوا ڈالنی چاہی تو اس نے کہا۔ "حکیم صاحب پیٹ کے درد کو آنکھ سے کیا تعلق ہے۔" حکیم نے کہا۔ "اگر تیری آنکھیں اچھی ہوتیں تو تو جلی روٹی نہ کھاتا۔"

(۵)

ایک شخص بڑے عہدے پر پہنچا۔ اُس کا ایک دوست اُس کے پاس مبارکباد دینے کے لئے آیا۔ اس نے کہا "آپ کون ہیں اور کیوں تشریف لائے ہیں۔" دوست نے جواب دیا۔ "تعجب ہے کہ آپ مجھے اتنی جلدی بھول گئے۔ میں آپ کا پرانا دوست ہوں۔ میں نے

سنا تھا کہ آپ اندھے ہو گئے ہیں، میں ہمدردی کرنے آیا تھا۔"

(۶)

ایک ڈاکٹر جب کبھی قبرستان جاتا تو اپنا چہرہ اپنے رومال سے ڈھک لیتا تھا۔ لوگوں نے کہا کہ آپ ایسا کیوں کرتے ہیں۔ ڈاکٹر نے جواب دیا۔"اس قبرستان کے سب مردے میری دوا سے مرے ہیں۔ اس لئے میں اپنے رومال سے اپنا چہرہ ڈھک لیتا ہوں۔ کیوں کہ مجھے ان سے شرم آتی ہے۔"

उर्दू में लिखो

एक अमीर आदमी की तीन बेटियाँ थीं । सबसे बड़ी बेटी से उसने कहा "तुम सब से ज़्यादा मुहब्बत किससे करती हो और क्यों "। उसने जवाब दिया "पिताजी आप से" क्योंकि आप हमें खाने को रोटी और पहनने को कपड़ा देते हैं यही जवाब दूसरी बेटी ने भी दिया । तीसरी सबसे छोटी बेटी ने कहा मैं सबसे ज़्यादा ईश्वर से मुहब्बत करती हूँ क्योंकि वह हमारी आप की सब की ख़बरगीरी रखता है ।

पाठ 26

नगरों के नाम		شہروں کے نام	
बरेली	بریلی	अलीगढ़	علی گڑھ
मेरठ	میرٹھ	नई दिल्ली	نئی دلّی
हैदराबाद	حیدرآباد	लखनऊ	لکھنؤ
त्रिवेन्द्रम	ترونندرم	चण्डीगढ़	چنڈی گڑھ
मद्रास	مدراس	श्री नगर	شری نگر
कानपुर	کانپور	जम्मू	جموں
इलाहाबाद	الہ آباد	शिमला	شملہ
वाराणसी	وارانسی	पटना	پٹنہ
जमशेदपुर	جمشید پور	कलकत्ता	کلکتہ
देहरादून	دہرہ دون	शिलाँग	شیلانگ
गाज़ियाबाद	غازی آباد	इम्फाल	امپھال
भोपाल	بھوپال	जयपुर	جے پور
अमृतसर	امرت سر	अहमदाबाद	احمد آباد
टाटा नगर	ٹاٹا نگر	बम्बई	بمبئی

rekhta

नैनीताल	نینی تال	पन्त नगर	پنت نگر
फरीदाबाद	فریدآباد	आगरा	آگرہ

देशों के नाम		ملکوں کے نام	
इन्डोनेशिया	انڈونیشیا	भारत	بھارت
ईरान	ایران	रूस	روس
अफ़ग़ानिस्तान	افغانستان	चीन	چین
पाकिस्तान	پاکستان	बंगलादेश	بنگلہ دیش
जर्मनी	جرمنی	अमरीका	امریکہ
मिश्र	مصر	फ्रान्स	فرانس
इस्राईल	اسرائیل	ब्रिटेन	برطانیہ
अरब	عرب	आस्ट्रेलिया	آسٹریلیا
जापान	جاپان	अफ्रीका	افریقہ

हिन्दू पुरुषों के नाम	ہندو مردوں کے نام	मुसलमान पुरुषों के नाम	مسلمان مردوں کے نام
मोहन दास	موہن داس	हुसैन अहमद	حسین احمد
मोती लाल	موتی لال	हिफ़्ज़ुररहमान	حفظ الرحمٰن

जवाहर लाल नेहरु	جواہرلال نہرو
राधा कृष्णन	رادھاکرشنن
राजेन्द्र प्रसाद	راجندرپرساد
राजगोपाल	راج گوپال
तेज बहादुर	تیج بہادر
आनन्द नरायण	آنندنرائن
भगत सिंह	بھگت سنگھ
सिद्धार्थ शंकर	سدھارتھ شنکر
कमलापति	کملاپتی
अजीत प्रसाद	اجیت پرساد
करण सिंह	کرن سنگھ
इन्द्रकुमार	اندرکمار
रामसरन	رام سرن
कृष्णचन्द्र	کرشن چندر
प्रेम चन्द्र	پریم چندر
जगदीश प्रसाद	جگدیش پرساد
महेन्द्र प्रताप	مہندرپرتاپ

मुहम्मद अली	محمدعلی
शौकत अली	شوکت علی
मोहम्मद अजमलखां	محمداجمل خاں
मुख़्तार अहमद	مختاراحمد
अब्दुल हमीद	عبدالحمید
अबरार अहमद	ابراراحمد
अहमद अली	احمدعلی
अब्दुल अलीम	عبدالعلیم
मोहम्मद ख़ुसरो	محمدخسرو
ज़ाकिर हुसैन	ذاکرحسین
शफ़ीक़ुररहमान	شفیق الرحمٰن
अब्दुलहक़	عبدالحق
असदउल्ला	اسداللہ
मुहम्मद इक़्बाल	محمداقبال
नसीर आलम	نصیرعالم
मशकूर अहमद	مشکوراحمد
इश्त्याक़ अहमद	اشتیاق احمد

हिन्दू स्त्रियों के नाम	ہندو عورتوں کے نام	मुसलमान स्त्रियों के नाम	مسلمان عورتوں کے نام
सीता	سیتا	आमना ख़ातून	آمنہ خاتون
रुक्मणी	رکمنی	सफ़िया बेगम	صفیہ بیگم
इन्द्रा	اندرا	जहाँआरा	جہاں آرا
राजेन्द्र कुमारी	راجندر کماری	ख़ालदा नाहीद	خالدہ ناہید
अरुणा	ارونا	साजदा ख़ातून	ساجدہ خاتون
शीला	شیلا	ताहिरा बेगम	طاہرہ بیگم
इन्दुबाला	اندو بالا	तलअत फ़ातमा	طلعت فاطمہ
सरस्वती	سرسوتی	शहनाज़	شہناز

अनाज के नाम	اناج کے نام	फूलों के नाम	پھولوں کے نام
गेहूँ	گیہوں	गुलाब	گلاب
चना	چنا	गेंदा	گیندا
चावल	چاول	चंबेली	چنبیلی
बाजरा	بازرا	सूरजमुखी	سورج مکھی
जौ	جو	कंवल	کنول
मटर	مٹر	मोतिया	موتیا

पाठ 27

एक से सौ तक गिनती ۱ سے ۱۰۰ تک گنتی

८१	۸۱	६१	۶۱	४१	۴۱	२१	۲۱	१	۱
८२	۸۲	६२	۶۲	४२	۴۲	२२	۲۲	२	۲
८३	۸۳	६३	۶۳	४३	۴۳	२३	۲۳	३	۳
८४	۸۴	६४	۶۴	४४	۴۴	२४	۲۴	४	۴
८५	۸۵	६५	۶۵	४५	۴۵	२५	۲۵	५	۵
८६	۸۶	६६	۶۶	४६	۴۶	२६	۲۶	६	۶
८७	۸۷	६७	۶۷	४७	۴۷	२७	۲۷	७	۷
८८	۸۸	६८	۶۸	४८	۴۸	२८	۲۸	८	۸
८९	۸۹	६९	۶۹	४९	۴۹	२९	۲۹	९	۹
९०	۹۰	७०	۷۰	५०	۵۰	३०	۳۰	१०	۱۰
९१	۹۱	७१	۷۱	५१	۵۱	३१	۳۱	११	۱۱
९२	۹۲	७२	۷۲	५२	۵۲	३२	۳۲	१२	۱۲
९३	۹۳	७३	۷۳	५३	۵۳	३३	۳۳	१३	۱۳
९४	۹۴	७४	۷۴	५४	۵۴	३४	۳۴	१४	۱۴
९५	۹۵	७५	۷۵	५५	۵۵	३५	۳۵	१५	۱۵
९६	۹۶	७६	۷۶	५६	۵۶	३६	۳۶	१६	۱۶
९७	۹۷	७७	۷۷	५७	۵۷	३७	۳۷	१७	۱۷
९८	۹۸	७८	۷۸	५८	۵۸	३८	۳۸	१८	۱۸
९९	۹۹	७९	۷۹	५९	۵۹	३९	۳۹	१९	۱۹
१००	۱۰۰	८०	۸۰	६०	۶۰	४०	۴۰	२०	۲۰